विदर्भ स्वाभिमान

❖ अमरावती, गुरूवार 16 से 22 मई 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 47 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

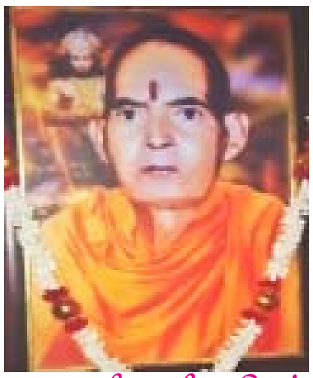

पूज्य बाबूजी का जीवन सिद्धांत

हर व्यक्ति को लगता है कि हर कोई उसका सम्मान करे. लेकिन सम्मान देने से ही मिलता है, यह अक्सर हम भूल जाते हैं. कई लोगों को सम्मान की चाहत ज्यादा होती है. लेकिन बारी जब उनकी आती है तो उसमें फेल हो जाते हैं. सम्मान देने वालों को सदैव सम्मान ही मिलता है. कहते हैं कि जैसा बोओगे, वैसा ही पाओगे. बबूल का पेड़ अगर लगाया है तो मीठे आम के फल नहीं मिल सकते हैं. इसलिए सदैव सम्मान करना सीखें.

भीषण गर्मी ने किया हलकान

दस बजे के बाद से ही गर्मी के चटके,घर के सामने, छत पर रखे पशु-पक्षियों के लिए पानी

अमरावती - पिछले दो सप्ताह से भीषण गर्मी ने सभी को हलकान कर दिया है. गर्मी के कारण जहां सभी की दिनचर्या प्रभावित हुई है, वहींसुबह दस बजे के बाद से ही गर्मी के चटके लगने लगते हैं. ऐसे में शु-पक्षियों के लिए घर के सामने पानी रखने और दाने की व्यवस्था करनी चाहिए. इससे उन्हें राहत मिल सकती है. मौसम में आ रहे बदलाव के कारण तपिश बढ़ रही है. भीषण गर्मी से बचने के लिए सतर्कता बरतने का आग्रह भी किया जा रहा है. तापमान 44 के पार हो रहा है.मौसम विशेषज्ञ प्रा. अनिल बंड के मुताबिक

आगामी सप्ताह भयानक गर्मी युक्त रहने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है. मौसम के बीच हो रहे बदलाव के कारण सभी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. भारत ही नहीं तो बदलता मौसम समूचे विश्व के लिए खतरा है. अमरावती शहर में तीन-चार दिनों से भीषण गर्मी ने सभी को हलकान कर दिया है. यह तापमान इसी तरह दो सप्ताह तक लगातार बढ़ने की संभावना जताई जा रही है. लू से बचने के लिए अधिकाधिक पानी पीने तथा सिर पर दुपट्टा बांधने क़ी सलाह दी गई है.

संपादकीय

समाज के लिए चिंता का विषय

अमरावती शहर के साथ ही जिले में जिस तरह से अपराधिक घटनाएं हो रही हैं, उससे सवाल पैदा होने लगा है कि क्या लोगों के मन में कानून का डर खत्म हो रहा है. मामूली बात को लेकर विवाद करना, मारपीट करना, जानलेवा हमला ही नहीं तो बीच चौक पर हत्या जैसी घटनाएं होने लगी हैं. कई घटनाओं का मुख्य कारण प्रेम प्रकरण, अवैध संबंध,गलत समय पर प्रेम की पींगे बढ़ाने और बाद में ब्रेकअप जैसी घटनाओं के कारण हत्या जैसी घटनाएं हो रही हैं. बडनेरा में प्रेमिका द्वारा ब्रेकअप देने से उसकी निर्मम हत्या का मामला हो अथवा वरूड़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत खेत में स्थित कुएं में मिली लाश का मामला हो, जिस तेजी से इस तरह के जघन्य अपराध बढ़ रहे हैं, वह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है. आजकल बच्चे जल्दी जवान होने का नजारा दिखाई देता है. यह बच्चे, जो आदर्श संस्कार के बलबूते बेहतरीन नागरिक बनकर देश तथा परिवार का आधार बन सकते हैं, समुचित संस्कार के अभाव में आजकल बचपन से ही सत्यानाशी वाले मार्ग पर लग रहे हैं. किसी किशोर अथवा 13 साल के बच्चे को बीड़ी, सिगरेट फूंकते देखने के बाद जहां हैरत होती है, वहीं यह सवाल पैदा होता है कि क्या हम सभी संस्कार भूलते जा रहे हैं. कहते हैं कि जीवन में कामयाबी नहीं मिली, चलेगा. लेकिन एक बेहतरीन इन्सान बनना जरूरी होता है. क्यों कि एक बेहतरीन इन्सान ही हर तरह की स्थिति से निपटने में सक्षम होता है. लेकिन दुर्भाग्यवश आज बच्चियां घर से पढ़ाई के नाम पर निकलने के बाद जब किसी नाबालिग के साथ बगीचे में दिखाई देती हैं तो हैरत होती है. आमतौर पर कहते हैं कि पिता बच्चों का भाग्य संवारने का काम करते हैं लेकिन उन्हें बचपन से ही आदर्श संस्कार देने का काम माताएं यानी महिलाएं करती हैं. लेकिन आज चित्र उल्टा दिखाई दे रहा है. अनुशासन और खत्म होता डर बच्चों का जीवन बर्बाद करने से कोई भी इंकार नहीं कर सकता है. बचपन में दिए गए संस्कार, आदर्श विचार कभी नहीं बदलते हैं, यह जीवन को संवारने का काम करते हैं. लेकिन दुर्भाग्य कहें या आधुनिकता की अंधी दौड़ आज व्यक्ति इसे भूलता जा रहा है. कई माता-पिता ने अपनी औलाद को डाक्टर, इंजीनियर, बड़ा अधिकारी तो बना दिया लेकिन अच्छा इन्सान नहीं बनाया. इसका असरयह पड़ा कि बुढ़ापे में अकेला रहने के साथ मरने के बाद उनकी औलाद को पिता के अंतिम संस्कार में भाग लेने का भी समय नहीं मिल पाया. आखिर वह शिक्षा भी किस काम की है, जो अपनों के महत्व को नहीं समझे और अपनों की ममता भी भूल जाए. अपराध रोकने संस्कार बढ़ाना जरूरी है.

थोड़े में जीना भी सुखदायी

विदर्भ स्वाभिमान

मेरी तो खरी-खरी

आज हर व्यक्ति सुविधाओं, सजावट, बनाकर और दिखावट के पीछे भाग रहा है.जबकि जितना प्रभु ने दिया है, उतने में भी संतोष कर जीवनयापन किया जा सकता है. लेकिन आज दिखावट के दौर में हर व्यक्ति खर्चो से परेशान है. आमदनी अठन्नी, खर्चा रूपैया वाली स्थिति के कारण हर व्यक्ति परेशान है. लेकिन बिडंबना ऐसी है कि उसे हिम्मत देने वाला कोई नहीं है. बल्कि थोड़ी सी प्रशंसा कर डूबने वाले पर दो और पत्थर फेंकने वाले भरपूर हैं.

कहते हैं कि संतोषम परम. मन में अगर संतोष हो तो एक रोटी से भी पेट भर जाता है. कुछ सम्पत्ति से भी संतोष हो जाता है. लेकिन अगर मन में संतोष नहीं हो तो कई रोटी और करोड़ों रूपए की सम्पत्ती मिलने के बाद भी संतोष नहीं होता है. कुछ यही सिद्धांत हमारे जीवन का है. जब हम अच्छी सोच के साथ कुछ सोचते हैं तो उसमें भी आनंद आता है. वहीं कई लोग कभी जीवन में किसी के बारे में अच्छा नहीं सोचने की मानसिकता से कुंठित रहते हैं. खुशियों का कोई मापदंड नहीं रहता है. खुशियां तो हर जगह से प्राप्त की जा सकती है. कई बार झोपड़ी में जो खुशी मिलती है, वह खुशी किसी बंगले में नहीं मिलती है. वैसे भी कहते हैं कि इन्सान के लिए बड़ा बंगला तब तक केवल दीवार का ढांचा है, जब तक उस घर के सभी सदस्यों में आपसी प्रेम, सद्भावना, आपसी दर्द का एहसास और बढ़ता अपनापन नहीं हो. आजकल तो यह दौर खत्म होता प्रतीत होता है. रिश्तों को सहेजने वालों की संख्या में तेजी से कमी हो रही है. यही कमी हर एक की परेशानी का कारण भी बन रही है, इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता है. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि आज हर व्यक्ति पैसे, पद,प्रतिष्ठा और दूसरे से और आगे बढ़ने के लिए प्रयासरत है. लेकिन आत्मिक आनंद तथा दिली खुशियों के लिए उसके जो पसंदीदा विषय हैं, उन विषयों को भी समय नहीं दे पा रहा है. यही कारण है कि आज हर व्यक्ति परेशान है. इसीलिए कोशिश यह करें कि जिंदगी बड़े भाग्य से मिली है, ऐसे में कुछ जरूरतमंदों और कुछ अपने लिए भी जीने का प्रयास करें. उसका आनंद अलग ही रहेगा.

बगीचे में मनाएं पिकनिक

आज दिखावे के जमाने में महंगाई के नाम से रोने वालों की कमी नहीं है. लेकिन हम भूल जाते हैं कि महंगाई को बढ़ाने का काम हमने किया. पहले लोग बगीचों में ट्रिप मना लेते थे, वहां पर कच्चा चिवड़ा तथा अन्य घरेलू सामान से बनने वाला नाश्ता पेट के साथ ही जेब के लिए भी बेहतरीन हुआ करता था. लेकिन आज स्थिति है कि मध्यम वर्गीय व्यक्ति को भी लंबी ट्रीप पर जाने की गड़बड़ी रहती है. किसी बगीचे अथवा अन्य प्राकृतिक सुंदरता से लैस स्थान पर पिकनिक मनाने पर जो खुशी होती है, वह स्वास्थ्य के साथ ही मानसिक लिहाज से भी बढ़िया होती है. बच्चों को जहां साथ बिताने का समय मिलता है, वहीं उन्हें कम खर्च में भी इन्जॉय कैसे प्राप्त हो सकता है, इसकी शिक्षा मिलती है. टेंट लगाने के लिए बच्चों को कुछ सीखने तथा जीवन में किस तरह से मैनेजमेंट का प्रयास किया जा सकता है, इसकी सीख भी मिलती है. परिवार सहित ट्रिप निकालें और इसमें बच्चों को साथ लें. ताकि वहां बड़े बैठे रहें और बच्चे व्यवस्था जुटाने का काम करें. इससे निश्चित तौर पर उन्हें अच्छी-अच्छी जानकारी के साथ ही जीवन के लिए कई सीखें मिलती हैं. पहले संस्कारित बच्चे निकलने का कारण यही था. कुछ दशक पहले तक कानून का डर युवाओं के साथ ही बड़ों में भी रहता था. इसके लिए केवल पुलिस को दोषी नहीं ठहरा सकते हैं. जीवन संवारने के लिए जरूरी संस्कारों से दूर हो रहे हैं.

अपनापन खत्म, स्वार्थ हो गया है हावी

विदर्भ स्वाभिमान

भावनाएं समझो

सुधरने की मानसिकता से ही दूर हो रहे हैं लोग, बढ़ रही हैं घरेलू समस्याएं

जीवन में सीखने के लिए तीन बेहतरीन स्थान होते हैं. माता-पिता का संस्कार, संगत का असर और जो बात पता नहीं रहती है, वह अगर कोई समझदार बताता है तो उसे सुनना और उस पर अमल करना. कई घरों में दरिद्रता का कारण घर के सदस्य ही होते हैं. उदाहरण के तौर पर जहां घर के सामने कचरा जमा हो, अस्तव्यस्त जूते-चप्पल पड़े रहते हैं, वहां पर लक्ष्मी कभी निवास नहीं करती हैं. हमारे बुजुर्गों द्वारा कही गई कई बातें हम भुलाते जा रहे हैं, यही कारण है कि आज न तन से सुखी हैं और न ही हम मन से ही सुखी हैं. इतना ही नहीं तो पति-पत्नी, बच्चों के साथ रोज अनबन वाली स्थिति बनी रहती है. इसका कारण केवल और केवल मतभेद ही नहीं होते हैं बल्कि इसके लिए कई बार घर के सदस्यों की लापरवाही भी उजागर होती है. घर में साफ-सफाई, जाला नहीं होना चाहिए. झाड़ू शाम में सूर्यास्त के पहले ही लगानी चाहिए. विशेष रूप सेघर के सामने का हिस्सा सदैव प्रसन्नता वाले महौल का रहना चाहिए. लेकिन आज कई बार सुबह उठते ही किच-किच शुरू होने वाले लाखों घर हैं. ऐसे घर के समझदार व्यक्ति को सबसे अधिक तकलीफ होती है.

पहले के जमाने में बुजुर्ग बोलते थे और युवा पीढ़ी उस पर अमल करती है. बहू घर पर आते ही उसे घर के तौर-तरीके बता दिए जाते थे. इतना ही नहीं तो वह पढ़ी-लिखी भले ही नहीं थी लेकिन कम से कम बुजुर्गों के अनुभव, उम्र का लिहाज करती थी. लेकिन आज के दौर में हम ही सर्वज्ञानी वाली जो मानसिकता तैयार हो रही है, आधे से अधिक शारीरिक और मानसिक बीमारियों का कारण यही है. जीवन में संवरने के दो तरीके रहते हैं. एक तो खुद को पता रहे और अगर पता नहीं है तो कोई बड़ा व्यक्ति,समझदार व्यक्ति अगर समझा रहा है तो उसे समझने में बुरा नहीं होता है. लेकिन दुर्भाग्यवश जिन घरों में यह बात नहीं रहती है, वहां व्यक्ति कितनी भी मेहनत करे, कमाए लेकिन बरकत कहीं न कहीं रूक जाती है.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

सही करने वाला का भगवान कभी गलत नही होने देते है,मानवता की सेवा सबसे बडा धर्म है

चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया ने साक्षात्कार में मत,अच्छा क़रने से अच्छा होता

विदर्भ स्वाभिमान

अमरावती- जीवन में हम सभी यात्री है, किसे किस जगह उतरना है यह भगवान तय करते है. लेकिन मानव जीवन में मानवता का धर्म निभाते हुए हम कितना सुंदर कर सकते है, जिससे दुनिया सुंदर लगे, यह करने की कोशिश भी हमारे जीवन को संवारने में कारगर होती है. जब हम अच्छा करते है तो भगवान हमारा क़भी बुरा नही होने देते है. इसलिए हर इंसान को इंसान के काम में आने की कोशिश करनी चाहिए, ऐसा करने से ही संसार सुखमय् होगा. मानव सेवा से बडा धर्म नही हो सकता है. हम सभी भगवान की संतान है, इसलिए भगवान को परमपिता कहते है. इंसान को खुश रखने वाले से भगवान खुश रखते है. धनवान होना आसान है. लेकिन अपनी मेहनत की कमाई से सामाजिक कामों में योगदान देना बड़ी बात होती है. अमरावती में अमीरों की कमी नहीं है. लेकिन सम्पन्नता में भी विनम्रता की जिस तरह की शालीनता राष्ट्रीय स्तर के दानशूर और समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया में है, वह आज के दौर में कम दिखाई देती है. भगवान द्वारा देने के बाद भी रोने वालों के इस दौर में भैया की सादगी, उनका अपनापन, उनकी आत्मीयता हर व्यक्ति का दिल जीत लेती है. भैया का 22 मई को जन्मदिन है. हमारी हार्दिक शुभकामनाएं.माता-पिता की सेवा करनेवाले को किसी तीर्थ या धाम में जाने की जरुरत नहीं रहती है.उसकी इस सेवा से भगवान स्वयं ही खुश होते हैं और उसकी हर चाहत को पूरा करते हैं.

इस आशय का मत जानेमाने समाजसेवी लप्पीभैया व्यक्त करते हैं. उनके मुताबिक हमारी सम्पन्नता का लाभ अगर हम किसी को दे सकते हैं तो इससे बड़ा पुण्य का काम और क्या हो सकता है.अपना स्वयं का अनुभव बताते हुए उन्होंने कहा कि आज वे जो कुछ भी हैं, माता-पिता का आशिर्वाद है. शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में सुख्यात लप्पीभैया धार्मिकता के साथ ही कर्म पर भी उतना विश्वास रखते हैं. रोज किसी मंत्री से भी अधिक कार्यक्रमों में अतिथि का सौभाग्य उन्हें प्राप्त होता है. लेकिन हर जगह उनकी शालीनता उपस्थितों पर असर करती है. लोगों की दुवाओं को कामयाबी का माध्यम मानते हैं. आज यही कारण हैं कि जीवन में उन्हें हर वह कामयाबी मिली है, जिसकी उन्होंने चाहत रखी है.भैया के सभी दलों के नेताओं के साथ पारिवारिक संबंध है.

हर इंसान को देव मानने वाले तथा सभी की मदद के लिए सदैव समर्पित रहने वाले लप्पीभैया शहर के चहेते लोगों में से एक है. सदैव सकारात्क सोच के साथ जो करते है दिल से करते है. उनकी सादगी, मिलनसार स्वभाव किसी को भी प्रभावित करता है.भैया की सभी चाहते पूरी हों, स्वस्थ रहें, दीर्घायु प्रदान हो, प्रभु चरणों में यही कामना. भैया को जन्मदिन की करोड़ों हार्दिक शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN/2010/43081

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे　प्रबंधक : सौ. विना एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

ज़ीवन को संवारने के लिए अच्छाईयां करे

पं.प्रदीप मिश्रा की सीख, बेहतर करेगे तो ही जीवन में सदैव बेहतर होगा, संस्कार है महत्वपूर्ण

विदर्भ स्वाभिमान
विशेष संस्कार पहल

बुराई से बुराई,अच्छाई से अच्छाई बढ़ती

श्री विठ्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा के मुताबिक जिस तरह काले कमरे में जाने के बाद काला लगना तय है, उसी तरह जीवन में बुराई करने पर बुराई ही बढ़ती है. लेकिन जब हम अच्छाई का साथ देते हैं तो निश्चित तौर पर अच्छाई बढ़ती है. प्रेम, सम्मान और अच्छी सोच ही जीवन में आपको लोगों के दिलों में स्थान देती है. जब हम अच्छा सोचते हैं तो हमारे जीवन में कई बदलाव आते हैं और अच्छाई स्वयं को बढ़ाने का काम करती है. लेकिन जब बुराई सोचते हैं तो वह बढ़ती है और सदैव बर्बादी का कारण बन जाती है. इसलिए अच्छा सोचें और जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करें.

विदर्भ स्वाभिमान, 15 मई

ज़ीवन में किया गया कोई भी बेहतर काम कभी न कभी असर दिखाता है. इसलिए हर मानव को चाहिए कि उससे जितना संभव हो बेहतर करने की कोशिश करे, यह कभी बेकार नही जाता है. इसका लाभ कही न कही मिलता ही है. लोकतंत्र में सभी के सहयोग से ही देश संवरता है, इसका सभी को ध्यान रखना चाहिए. मतदान का घटता पमाण भी चिंता का विषय है. कन्यादान से बड़ा पुण्य नहीं होता है. जिसके भाग्य में कन्यादान मिल जाता है, वह अत्याधिक पुण्यवान होता है. बेटियां तो साक्षात लक्ष्मी का रूप होती हैं. इसलिए उनके सम्मान के साथ ही बेटियों पर ध्यान देना चाहिए. आज देश को संस्कारों की अत्याधिक जरूरत है. हमारे बच्चे कम पढ़ेंगे चलेगा, लेकिन संस्कार के मामले में जब पीढ़ी संवर जाएगी तो निश्चित तौर पर हमारा देश और अधिक गौरवान्वित होगा. इस आशय का उपदेशपूर्ण प्रतिपादन अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शिव महापुराण कथाकार पंडित प्रदीप मिश्रा ने किया. स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां पर भव्य मंडप कम पड़ रहा है और देशभर से आए महादेव भक्त जहां जगह मिल रही है, वहीं से कथा सुनने का पुण्यलाभ प्राप्त कर रहे हैं. कथा को लेकर अपार उत्साह वाली स्थिति है. भक्तों को मार्गदर्शन करते हुए पंडितजी विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर भी बात कर रहे हैं. उनके मुताबिक जीवन पभु का दिया गया उपहार है. लेकिन इसमें हम कितना सुंदर कर सकते है, इसका काफी महत् होता है. आज कथाएं बडे पैमाने पर हो रही है लेकिन कथा से परेशानी खत् नही होती है, इसके लिए हमें ही कुछ न कुछ करने की कोशिश करनी होगी. भाग्य को जब कर्म का जोड लगता है तो वह संवरता है.

विदर्भ स्वाभिमान

कमाने का सुनहरा अवसर,विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199/8855019189

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से बेहतरीन कमाई भी कर सकते हैं. मेहनत करने की तैयारी वाले ही तत्काल संपर्क करें

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती

मो. 9423426199/8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.

मो.9423426199

शून्य से संसार बनाने वाले उद्यमी हैं वैद्य ब्रदर्स

जन्मदिन पर विशेष - मेहनत, लगन, समर्पण, भक्तिभाव के संगम हैं पंकज-अतुल वैद्य

जीवन में सब कुछ तैयार रहने के बाद जहां आज के दौर में टिकाए रखना चुनौती भरा काम हो गया है, वहीं गरीबी, संघर्ष, मुसीबत, परिवार के आजीविका की चिंता के बीच पल्ले पड़ी गरीबी से जूझते हुए स्वयं का न केवल स्थान पैदा करना बल्कि आज अन्यों के लिए प्रेरणादायी बनने वाले लोगों की संख्या एकदम कम है. ऐसे में कुछ ही लोग स्थितियों से जूझते हुए स्वयं का मकां बनाने के साथ ही अन्यों के लिए उदाहरण साबित होने वाले हैं. ऐसे ही लोगों में शुमार है हमारे अजीज मित्र, संघर्षों में तपकर सोना हुए पंकज वैद्य और अतुल वैद्य. जुड़वा भाई होने के साथ ही दोनों ही भाईयों की दो शरीर एक जान वाली भूमिका निश्चित ही जितनी आकर्षक है, दोनों के बीच का प्रेम उतना ही प्रेरणादाई है. आज जब स्वयं को संस्कारित कहने वालों में भाई प्रेम के महत्व को नहीं समझने वाली मानसिकता है, ऐसे में वैद्य ब्रदर्स निश्चित तौर पर अन्यों के लिए आदर्श से कम नहीं हैं. दोनों भाईयों के साथ नन्हीं परी को जन्मदिन की विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं. पंकज भैया की सादगी जहां सभी को आकर्षित करती है, वहीं माता-पिता की उनकी भक्ति, मां की आदर्श सीख इस परिवार की खुशियों का सबसे बड़ा कारण है. बहुएं भी समझदार, एक-दूसरे का केअर करने वाली रहने के कारण वैद्य परिवार में स्वर्ग से माहौल की अनुभूति होती है. दोनों भाईयों का जन्मदिन है. ऐसे में यह जानना जरूरी है कि दोनों ही भाईयों के साथ ही तीन भाईयों का यह परिवार ऐसे लोगों के लिए उदाहरण बन सकता है जो अपनी छोटी सी कामयाबी पर इतराते हैं. दूसरे को कम आंकते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

जन्मदिन की शुभकामनाएं

सेवाभावी व्यक्तित्व

सुख्यात भवन निर्माता के साथ ही कई संगठनों से जुड़े रहने वाले पंकज वैद्य सेवाभावी व्यक्तित्व के साथ ही पूरे परिवार को एकता के सूत्र में जहां बांधने में सफल हुए हैं, वहीं दूसरी ओर सामाजिक दायित्व की भावना से सदैव नेक कामों में योगदान देने से नहीं चूकते हैं. मानवता की सेवा को सबसे बड़ी सेवा और इंसानियत को सबसे बड़ा धर्म मानने वाले पंकज भैया के आदर्श विचारों पर ही उनका पूरा परिवार चल रहा है. यह परिवार जितना आदर्श है,उतना ही आदर्श पंकज एवं अतुल भैया के विचार और परिवार को चलाने के लिए जरूरी समर्पण है. दोनों ही भाईयों का बचपन अत्याधिक संघर्षों में बीता. पिता का साया सिर से जाने के बाद गहरा अंधेरा था. लेकिन अपनी मेहनत, लगन और संघर्ष की तैयारी पर तीनों ही भाईयों को पूरा यकीन था. माताजी ने जहां बच्चों में आदर्श संस्कार डालने में कोई कमी नहीं की थी, वहीं ईमानदारी तथा नीतिमत्ता से काम करने की सीख माता-पिता ने दिया था.तीनों ही भाईयों ने कंधे से कंधा मिलाकर परिस्थितियों को बदलने का प्रण किया. सदगुरू की कृपा, माता-पिता का आशिर्वाद और दिन-रात मेहनत की तैयारी जैसी खूबियों ने उन्हें जल्द ही सफलता की राह पर अग्रसर होने की प्रेरणा दी. प्रापर्टी डेवलपर,भवन निर्माता के साथ ही तीन प्रतिष्ठानों का कुशलतापूर्वक एवं बेहतरीन संचालक आज तीनों भाई कर रहे हैं. जो लोग कभी हंसी उड़ाते थे, आज इन भाईयों की कामयाबी देखकर परेशान होते हैं. पंकजभैया बातचीत में कहते हैं कि दुनिया के मुताबिक चलने की बजा अपनी मेहनत, लगन और समर्पण से मंजिल की ओर बढ़ने का प्रयास करें. सफलता निश्चित मिलेगी. वे सदैव इसी सिद्धांतपर चलते हैं. उनका मानना है कि परिवार की एकता से बड़ी ताकत कोई नहीं हो सकती है. जब हम मिलकर काम करते हैं तो निश्चिंतता के साथ ही सफलता का पैमाने भी तिगुना रहते हैं. ऐसे में यह सोचना चाहिए कि भाई से बड़ा विश्वासू दुनिया में कोई नहीं हो सकता है.जो लोग इसे नहीं मानते हैं, वे जी तो लेते हैं लेकिन मुसीबतों में जल्दी टूट जाते हैं. जहां दोनों भाई दूरदर्शी व्यवसायी हैं, वहीं आदर्श व्यक्तित्व की अपनी प्रतिमा बनाई है. उनकी लोकप्रियता का आलम यह है कि श्री वैद्य ब्रदर्स आज शहर ही नहीं तो विदर्भ स्तर पर गुणवत्ता का मापदंड बन चुका है. उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के अलावा उनके सभी मनोरथ पूरा होने की कामना विदर्भ स्वाभिमान परिवार करता है.

विदर्भ स्वाभिमान टीम

जिले ही नहीं तो शून्य संसार बनाने वाले, यारों के दिलदार यार, श्री वैद्य ब्रदर्स, श्री वैद्य हार्डवेअर एन्ड पेंट के संचालक, युवा उद्यमी तथा सेवा कामों में भी सदैव अग्रणी, हमारे अजीज मित्र

पंकज वैद्य, अतुल वैद्य

को जन्मदिन की कोटिशः हार्दिक शुभकामनाएं

यारों के दिलदार यार पंकजभैया वैद्य,अतुलभैया वैद्य

शुभेच्छुक -असंख्य वैद्य बंधु मित्र परिवार,विदर्भ स्वाभिमान परिवार, अमरावती.

सदैव अच्छी और सकारात्मक सोच रखें

अमरावती- बड़े भाग्य से मानव जीवन मिलता है. यह मिलने के बाद भी जो लोग अपने जीवन को नहीं संवार पाते हैं, उनका जीवन किसी काम का नहीं है. जीवन में अगर हम किसी के काम आ सके और किसी की मदद कर सके तो उस समय होने वाली खुशी लाखों रूपए से अधिक होती है. सकारात्मक सोच से जीवन को दिशा मिलती है. इसलिए संभव जितना हो सके सदैव अच्छी और सकारात्मक सोच रखें. इससे मिलने वाली खुशियां स्थायी रहती हैं. यह कहना है अपने समय की मेधावी छात्रा सौ. रचना देशमुख का. उनके मुताबिक जीवन में प्रभु की कृपा से सब कुछ अच्छा हो रहा है. शिक्षक पति तथा परिवार का प्यार और जीवन में खुशियां ही खुशियां हैं. हम जब किसी का बुरा करने के बारे में नहीं सोचते हैं तो हमारा कभी बुरा नहीं होता है. इस पर अमल करना यद्यपि कठिन होता है लेकिन इसके नतीजे तत्काल मिलते हैं. जीवन में सकारात्मक सोच, नेक विचार का प्रगति से गहरा संबंध रहता है. इसलिए सदैव जितना संभव हो सके, इन दोनों बातों पर गौर करना चाहिए. ऐसा करने के चमत्कारिक नतीजे जीवन में दिखाई देते हैं. मानवता की सेवा से बड़ी सेवा और इससे बड़ा धर्म हो ही नहीं सकता है. इस आशय का मत राठी नगर निवासी सौ. रचना देशमुख ने किया. जन्मदिन के उपलक्ष्य में विदर्भ

हरियाणा स्पेशल जलेबी केन्द्र बना ग्राहकों का चहेता

सुरेश, काना राम सैन बंधुओं की मेहनत ला रही है रंग

अमरावती- स्थानीय रविनगर चौक के करीब साइड में लगी एक जलेबी और मूंग के भजिए की दुकान पर ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ती है. बेहतरीन स्वाद जहां इसकी खूबी है, वहीं संचालक सुरेश और काना राम बंधुओं की मेहनत लोगों को प्रभावित करती है. दोनों ही भाईयों की समझदारी और मेहनत भी काबिले तारीफ है. रविनगर चौक में इस दुकान पर ग्राहकों की अक्सर भीड़ रहती है. मिलनसार सुरेश तथा काना राम दोनों ही धार्मिक प्रवृत्ती के रहने के कारण मेहनत पर विश्वास रहने की बात कहते हैं. वे कहते हैं कि मेहनत की तैयारी रहने के बाद सफलता मिलना तय ही रहता है.

अगर आपमें करने की कुछ करने की तैयारी है, मेहनत से डरने वाली मानसिकता नहीं है तो आप हर जगह सफल होंगे. इस बात को साबित किया है स्थानीय रविनगर चौक में ग्राहकों का अपार विश्वास और प्यार पाने वाले हरियाणा स्पेशल जलेबी के संचालक सुरेश एवं मित्र काना राम सैन ने. इन दोनों युवाओं के हाथों में जादू है. दुकान में मावा जलेबी, सादी जलेबी, मूंग भजिये के साथ ही बालू शाही का स्वाद जैसे लोगों को प्रभावित करता है. दोनों ही भाईयों की समझदारी के साथ ही उनके हाथ का जादू है कि दुकान सुबह खुलने से लेकर बंद होने तक ग्राहकों की भीड़ रहती है. दोनों बताते हैं कि गुणवत्ता के मामले में वे कभी समझौता नहीं करते हैं. नाश्ता करने के साथ ही बड़ी संख्या में ग्राहकों द्वारा यहां से पूरे परिवार के लिए नाश्ता ले जाया जाता है. दोनों ही भाईयों की मेहनत के साथ ही काम के प्रति समर्पण भी महत्वपूर्ण है. यहां की जलेबी सहित मूंग भजिये बेजोड़ स्वाद के नमूना कहना गलत नहीं होगा. यही कारण है कि पिज्जा,बर्गर के दौर में यहां आने वाले बच्चे भी भरपेट नाश्ते का आनंद उठाते हैं. दोनों भाईयों के बीच समझदारी के साथ ही ग्राहकों के साथ उनके बातचीत का अंदाज भी बेहतरीन रहने से ग्राहक यहां खीं चा चला आताहै.

विदर्भ स्वाभिमान
नारी तू ही नारायणी
महिलाओं को नमन और सम्मान
सदस्यता पंजीयन शुरू
विदर्भ स्वाभिमान नारी युवा मंच की सदस्यता पंजीयन का अभियान आरंभ हो गया है. आप भी फार्म भरकर सदस्य बनकर अपनी खुशियों को बढ़ाने का काम कर सकती हैं. सदस्य बनने के लिए कार्यालय में संपर्क करें.
मो. 8855019189
9518528233

पक्षियों को जल पिलाने से होंगे मालामाल

घर की छत पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की सुविधा करें. भीषण गर्मी में उन्हें हमारी सर्वाधिक जरूरत है. सृष्टि हित में विदर्भ स्वाभिमान की विनम्र प्रार्थना है. इस माध्यम से पुण्य कमाने का सुअवसर मिल रहा है.
विदर्भ स्वाभिमान
मानव सेवा,माता-पिता सेवा को प्रोत्साहित करने वाला समाचार पत्र

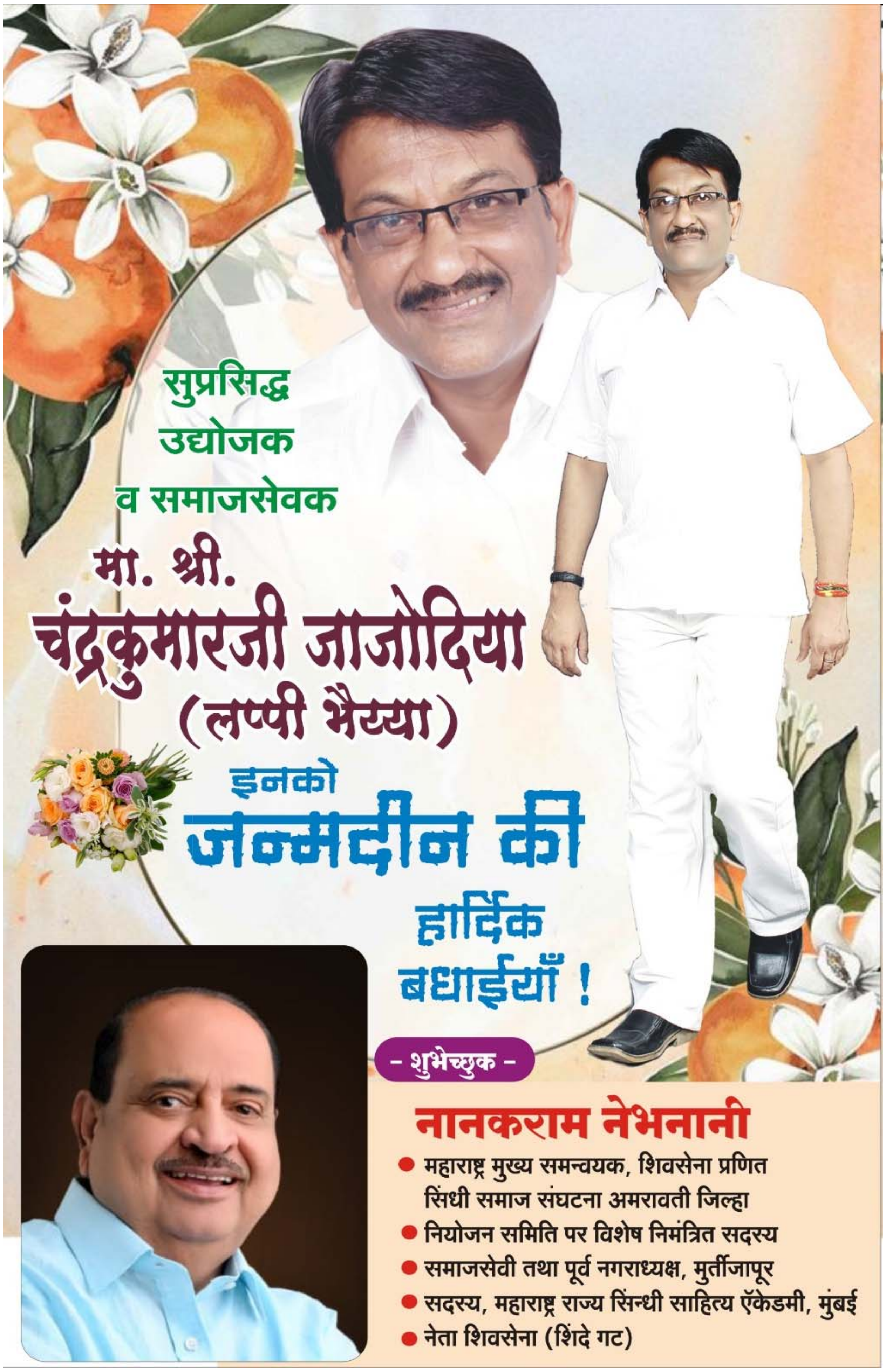

हार मानना उन्होंने सीखा ही नहीं है

एड.यशोमतिताई ठाकुर के ज़न्मदिन पर विशेष

जिले की पूर्व पालकमंत्री, लोकप्रिय विधायक एड. यशोमतिताई ठाकुर का गृहिणी से लेकर मंत्री तक का सफल चुनौतियों से भरा रहा है. लेकिन स्थितियों से हार मानना उन्होंने सीखा ही नहीं है. उनका जन्म 17 मई 1974 तिवसा के गुरूकुंज मोझरी में हुआ. बचपन से ही मेधावी छात्रा रही हैं. छात्र जीवन से ही उन्हें खेल, एनसीसी की बेहतरीन कैडेट रही. दिल्ली में गणतंत्र दिन परेड में शामिल हो चुकी हैं. शूटिंग रेंज और बास्केटबॉल में भी माहिर रही हैं. खेल की तरह ही राजनीति में भी वे छाई. लगातार तीन बार तिवसा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के साथ ही वहां के लोगों में अपार लोकप्रिय हैं. माता-पिता की भक्त ताई को बचपन से ही राजनीतिक पाठ माता-पिता के सानिध्य में मिला है. पिता स्व.भैयासाहेब उर्फ चंद्रकांत ठाकुर ने तिवसा का दो बार नेतृत्व किया. पिता विधायक रहते समय भी पार्टी द्वारा टिकट नहीं मिलने के बाद भी परिवार ने कांग्रेस के प्रति निष्ठा कायम रखी और कांग्रेस को मजबूती प्रदान करने में ताई ने स्वयं को झों क दिया है. उनकी दादी भी जिला परिषद की सदस्या थीं. बीए, एलएलबी ताई को एक पुत्र, एक पुत्री है. मां के रूप में बच्चों की जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभाने के साथ ही पार्टी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी निभाने की दोहरी जिम्मेदारी निभाई. 2004 से राजनीतिक पारी की शुरूवात की. लेकिन पहली बार असफलता मिली. इससे हतोत्साहित नहीं होते हुए प्रयास शुरू रखा और कामयाबी हासिल की. युवक कांग्रेस को मजबूती प्रदान करने के साथ राहुल गांधी की युवा ब्रिगेड में ताई के काम की सराहना स्वयं राहुल गांधी ने भी की.इतना ही नहीं तो उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर युवक कांग्रेस को मजबूत करने का प्रयास किया. जम्मू, हरियाणा, गोवा, उत्तर प्रदेश,दिव-दमण, मध्य प्रदेश कर्नाटक सहित कई राज्यों में सेवाएं भी दी. बेहतरीन वक्ता के साथ ही मराठी, हिंदी के साथ अंग्रेजी पर पकड़ के कारण राहुल ब्रिगेड में स्थान पक्का किया. प्रदेश युवक कांग्रेस की महासचिव के साथ ही प्रदेश महिला आयोग पर काम करते हुए महिलाओं के अधिकारों के लिए प्रयास किया.उनके जीवन और राजनीतिक सफर पर गौर करने के बाद चुनौतियों से सदैव दो-दो हाथ करते हुए रास्ता निकालने वाली जुझारू नेत्री का दर्शन होता है. किसी भी स्थिति में हार नहीं मानने और पार्टी की मजबूती के लिए पूरी तरह से समर्पण उनकी खूबी है. नेता, समाजसेवी के साथ ही बहुगुणी व्यक्तित्व के रूप में एड. यशोमतिताई ठाकुर ने जिले ही नहीं तो प्रदेश स्तर पर अपार लोकप्रियता हासि की. जिले में कांग्रेस की मजबूती, जिले के विकासार्थ करोड़ों रूपए लाने से लेकर राज्यस्तर पर दमदार नेत्री के रूप में कांग्रेस की समर्पित नेता एड. यशोमति ठाकुर को जन्मदिन पर करोड़ों मंगल हार्दिक शुभकामनाएं. उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हों, यही कामना.

डॉ. अंजली ठाकरे (भुयार)
अध्यक्ष, शहर (जिला) महिला
कांग्रेस कमिटी,अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे
मोबाइल 9423426199

सम्पन्नता में सादगी की प्रतिमूर्ति हैं लप्पीभैया-

धन का सही उपयोग जन की सेवा में ही रहने की बात को मानने वाले और उस पर ही अमल करने वाले समाजसेवी व्यक्ति के रूप में चंद्रकुमारउर्फ लप्पीभैया जाजोदिया हैं. स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक जहां उनका समाजसेवा का दायरा चलता हैं, वहीं वे जितने सम्पन्न व्यवसायी हैं, उससे भी कई गुना बेहतरीन संजीदा और भावनाओं को समझने वाले व्यक्ति हैं. आदिवासी बच्चों की स्कूल गोद लेना हो, गरीबों की मदद हो, किसानों की सहायता, गरीब बेटियों की मदद वे सदैव अग्रणी रहते हैं. यही कारण है कि लाखों मित्र परिवार उन्होंने तैयार किया है. धनवान होना आसान है. लेकिन अपनी मेहनत की कमाई से सामाजिक कामों में योगदान देना बड़ी बात होती है. अमरावती में अमीरों की कमी नहीं है. लेकिन सम्पन्नता में भी विनम्रता की जिस तरह की शालीनता राष्ट्रीय स्तर के दानशूर और समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया में है, वह आज के दौर में कम दिखाई देती है. माता-पिता की सेवा करनेवाले को किसी तीर्थ या धाम में जाने की जरुरत नहीं रहती है.उसकी इस सेवा से भगवान स्वयं ही खुश होते हैं और उसकी हर चाहत को पूरा करते हैं.भैया को अमरावती शहर को लेकर अपार गर्व रहता है.यही कारण है कि मुंबई में व्यवसाय स्थापित करने के बाद भी अमरावती से उनका अत्याधिक लगाव रहता है. भैया के मुताबिक शहर ने उन्हें बहुत कुछ दिया है, इसलिए उसे लौटाने का थोड़ा-बहुत प्रयास करते हैं. उनके कार्यालय में किसी मंत्री या सांसद की तरह ही भीड़ उनकी लोकप्रियता तथा सभी की मदद करने वाली दरियादिली की परिचायक है. उनके मुताबिक हमारी सम्पन्नता का लाभ अगर हम किसी को दे सकते हैं तो इससे बड़ा पुण्य का काम और क्या हो सकता है.अपना स्वयं का अनुभव बताते हुए उन्होंने कहा कि आज वे जो कुछ भी हैं, माता-पिता का आशिर्वाद है. शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में सुख्यात लप्पीभैया धार्मिकता के साथ ही कर्म पर भी उतना विश्वास रखते हैं. रोज किसी मंत्री से भी अधिक कार्यक्रमों में अतिथि का सौभाग्य उन्हें प्राप्त होता है. लेकिन हर जगह उनकी शालीनता उपस्थितों पर असर करती है.

रोशनी दुबे
समाजसेविका
अमरावती.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्‌चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

शादी-ब्याह का रंग, हमारे संग

आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

विदर्भ स्वाभिमान

❖ अमरावती, गुरूवार 21 से 27 मार्च 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 39 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षो से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत हैं. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

समस्त ब्राह्मण समाज के आराध्य और अन्याय, अत्याचार के खिलाफ कभी हार नहीं मानने और संघर्ष करने की सीख देने वाले भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर सभी ब्राह्मण बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएं. हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हर ब्राह्मण सदस्य अपने समाज की एकता के साथ ही राष्ट्र के विकास के लिए संकल्पबद्ध होकर लगातार प्रयास करेगा. समय की दरकार है कि आज अगर हम एकजुट नहीं हुए तो आगामी पीढ़ी हमें माफ नहीं कर पाएगी.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com